टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

22R

संस्कृत विशारद (बी.ए.) – नियमित

परीक्षा : डिसेंबर – २०२३

सत्र २ रे

विषयः पारंपारिक इतिहास आणि पुराणकथा (22R425)

दिनांक : ११/१२/२०२३ **गुण : ६०** **वेळ : स. १०.०० ते १२.३०**

सूचना : सर्व प्रश्न अनिवार्य

प्र. १. त्रयाणां श्लोकानामनुवादं समन्वयं सटिप्पणं कुरुत। **(१५)**

१) एवं कालोऽप्यनुमितः सौक्ष्म्ये स्थौल्ये च सत्तम। संस्थानभुक्त्या भगवानव्यक्तो व्यक्तभुग्विभु।।

२) अनेन वनवासेन मम प्राप्तं फलद्वयम्। पितुश्चानृण्यता धर्मे भरतस्य प्रियं तथा।।

३) सा सदा समलङ्कृत्य सीता सुरसुतोपमा। प्रणम्य शिरसा तस्यै रामं त्वभिमुखी ययौ।।

४) भगवन्सर्वभूतानामध्यक्षोऽवस्थितो गुहाम्। वेद ह्यप्रतिरुद्धेन प्रज्ञानेन चिकीर्षितम्।।

५) तस्यैव वरदानेन धर्मस्य मनुजाधिप। अज्ञाता विचरिष्यामो नराणां भरतर्षभ।।

प्र.२. टिप्पणीद्वयं लिखत। **(१०)**

१) विष्णुपुराणे राजवंशवर्णनम्

२) गङ्गाप्रतीपयोः संवादः

३) चित्रकूटसौन्दर्यम्

४) सीतानसूयासंवादे अनसूयया कृतः उपदेशः

प्र.३.अ) दश रूपाणां परिचय लिखत। **(१०)**

१. शन्तनोः २. वक्तव्या ३. तान् ४. अभिषिच्य ५. परिसेवितम् ६. विहस्य
७. भर्तारम् ८. तपसा ९. बुभुजे १०. इमम् ११. भामिनि १२. उच्यते

आ) पञ्चानां समासानां विग्रहं कृत्वा नामानि लिखत। **(०५)**

१. कुरुश्रेष्ठ २. जह्नुसुता ३. सिद्ध्यर्थम् ४. नरव्याघ्रौ
५. बद्धन्नाः ६. वेपमानाङ्गी ७. अप्रतिरुद्धम्

प्र.४. प्रश्नद्वयं सविस्तरमुत्तरत। **(२०)**

१) मन्वन्तरादिकालविभागान् सोदाहरणं लिखत।

२) आर्षमहाकाव्ययोः वैशिष्ट्यानि लिखत।

३) रामायणे कृतं हेमन्तवर्णनं सविस्तर लिखत।

४) गजेन्द्रमोक्षकथां स्वशब्दैः विवेचयत।